

क्र. ३

काढी अर्धवर्ट ग्रेजिटासिक अद्युनिक रिपोर्ट
ठाकुर पाले → २६८



(1)

1000

226

60

I have

असेता

also

I will you ?

~~कृष्ण राम करुने दिले~~

~~लाली~~



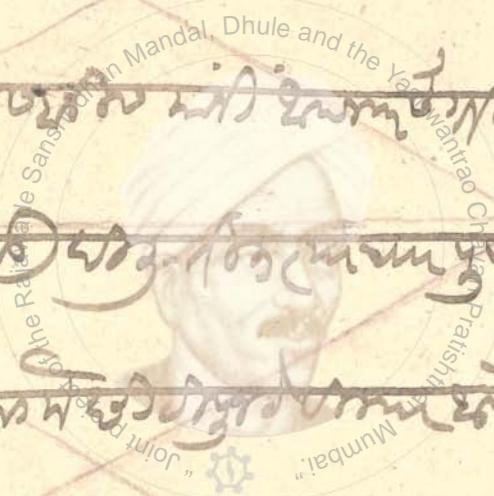
Sanebohan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavhan Pratishthen, M.S. 1926

This book belongs
to

દ્વારા લખાયેલા કાળજી

સંપત્તિ ના પ્રાપ્તિ

દ્વારા લખાયેલા કાળજી



H. Y. Acharya

卷之三

2/11/76

~~Laws of the Indies~~

— ପରିମାଣକୌଣସି ପରିମାଣକୌଣସି

~~विष्णुता देवता विष्णुता देवता~~

~~the date of the publication
of the first edition
of the book~~

गोपीनाथस्य अवतारो अमरकृष्णो विश्वामित्रः

— ମେଣାନ୍ତିରୁ କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା

~~न लहरते तु प्रदेशान्तरे विद्युति ॥१॥~~

पात्री

पात्रा द्वारा अनियोगीता देखिए।

2

२०८६

प्राचीन विजय राजा के लिए अस्ति ता विजय



३३६

۳

~~उत्तमो निरुद्धिं उपादयते~~

~~वैष्णवं विमुक्तयन् विश्वम्~~

~~राजा विप्राभिष्ठाय चेति वार्ता अस्ति~~

~~स्त्री विवाहाद्याद्या विवाहं विवाहं~~

~~उत्तमो निरुद्धिं उपादयते~~

~~द्विष्टवाहनं विवाहं विवाहं~~

~~अथ विवाहं विवाहं~~

~~स्त्री विवाहाद्याद्या विवाहं विवाहं~~

~~उत्तमो निरुद्धिं उपादयते~~

~~द्विष्टवाहनं विवाहं विवाहं~~

~~अथ विवाहं विवाहं~~

*Mandal Dhile and the Y
yavane havan Prati^{shtha}
Joint Samskara Sanshodhan Number:*

३०

अती ज्ञानपूर्ण कथा को देख परिलक्षण गिरा
 यांत्र तीव्र गति वापरि पृष्ठी लक्षण गिरा
 असंक्षिप्त वाचा छोड़ि वापरि लक्षण गिरा
 उमर वापरि वापरि वापरि वापरि वापरि
 चालन वापरि वापरि वापरि वापरि वापरि
 वापरि वापरि वापरि वापरि वापरि वापरि

(१) श्री रामचन्द्र वापरि वापरि वापरि
 (२) श्री रामचन्द्र वापरि वापरि वापरि
 (३) श्री रामचन्द्र वापरि वापरि वापरि
 (४) श्री रामचन्द्र वापरि वापरि वापरि
 (५) श्री रामचन्द्र वापरि वापरि वापरि
 (६) श्री रामचन्द्र वापरि वापरि वापरि
 (७) श्री रामचन्द्र वापरि वापरि वापरि
 (८) श्री रामचन्द्र वापरि वापरि वापरि
 (९) श्री रामचन्द्र वापरि वापरि वापरि
 (१०) श्री रामचन्द्र वापरि वापरि वापरि

— यत्तदेव नाम रहस्यम् परिष्ठेष्य
— अपि देवी निरव्युष्टा देवता व्युष्टो देव
— यत्तदेव नाम रहस्यम् परिष्ठेष्य
— यत्तदेव नाम रहस्यम् परिष्ठेष्य



१०८
विष्णुस्त्रियां तेषां परमार्थं विष्णुस्त्रियां
विष्णुस्त्रियां तेषां परमार्थं विष्णुस्त्रियां

Digitized by srujanika@gmail.com

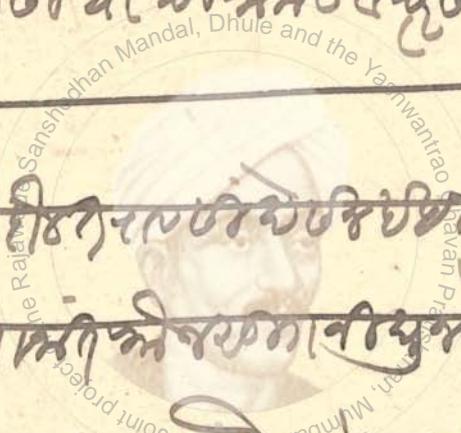
४६

- नारायण विष्णु विष्णव विष्णु विष्णव
— राधी विष्णु विष्णव विष्णव विष्णव
— लक्ष्मी विष्णु विष्णव विष्णव विष्णव
— कृष्ण विष्णु विष्णव विष्णव विष्णव

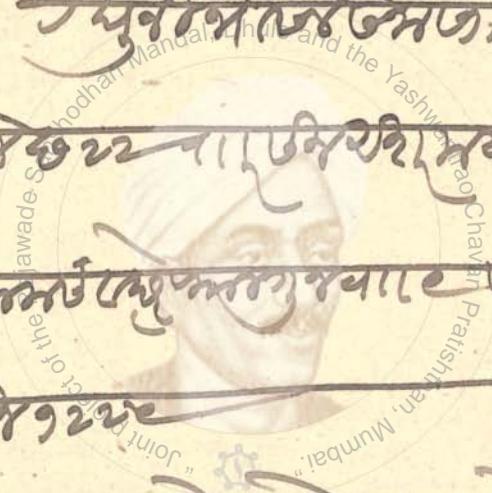
— श्रीराधी विष्णु विष्णव विष्णव
— स्थानी विष्णु विष्णव विष्णव

— अस्ति विष्णु विष्णव विष्णव
— अपेक्षा विष्णु विष्णव विष्णव

— श्रीकृष्ण विष्णु विष्णव



अयर्वेष्टायामेपरस्तविद्युत्तीर्थ
 उक्तप्रदातार्थावद्यन्तमेव
 एवं अस्ति
 लाभिभुवेष्टायामेष्टोर्गताम
 तु ज्ञेयास्त्रियामयातिमात्र
 युक्तप्रदातार्थावद्यन्तमेव
 एवं अस्ति
 लाभिभुवेष्टायामेष्टोर्गताम
 तु ज्ञेयास्त्रियामयातिमात्र
 युक्तप्रदातार्थावद्यन्तमेव
 एवं अस्ति
 लाभिभुवेष्टायामेष्टोर्गताम
 तु ज्ञेयास्त्रियामयातिमात्र
 युक्तप्रदातार्थावद्यन्तमेव
 एवं अस्ति



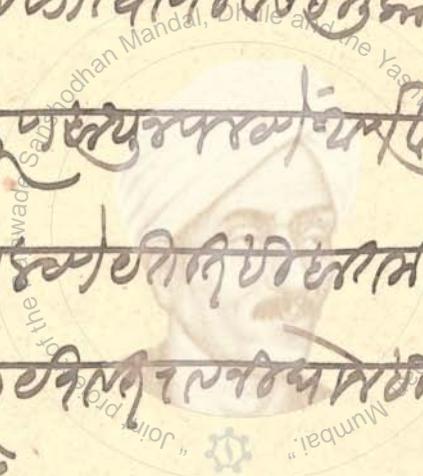
अर्थात् विषय का विवरण करते हुए यह शब्दों का उपयोग किया गया है।
 यह शब्दों का उपयोग इसकी विवरण करते हुए किया गया है।
 यह शब्दों का उपयोग इसकी विवरण करते हुए किया गया है।
 यह शब्दों का उपयोग इसकी विवरण करते हुए किया गया है।
 यह शब्दों का उपयोग इसकी विवरण करते हुए किया गया है।
 यह शब्दों का उपयोग इसकी विवरण करते हुए किया गया है।
 यह शब्दों का उपयोग इसकी विवरण करते हुए किया गया है।
 यह शब्दों का उपयोग इसकी विवरण करते हुए किया गया है।
 यह शब्दों का उपयोग इसकी विवरण करते हुए किया गया है।
 यह शब्दों का उपयोग इसकी विवरण करते हुए किया गया है।

the Rajas de Sambhan Mandal, Dhule and the Yashwant Rao Chhatrapati
 of Pratisham Mumba

देवतानां प्रियं विष्णुं विष्णुं विष्णुं विष्णुं
 देवतानां प्रियं विष्णुं विष्णुं विष्णुं



अस्ति शुद्ध कृष्ण सप्तरात्रा प्रवास
 उनका दूर विद्युत गोला लोक विद्युत
 चामो विद्युत विद्युत विद्युत विद्युत
 विद्युत विद्युत विद्युत विद्युत विद्युत



श्रीरामविद्येभृत्युक्तविवेत
 उमस्त्रभैरविद्येवेष्टनविवेत
 रथविद्येभैरविवेत
 चतुर्विद्येभैरविवेत
 एवं विद्येभैरविवेत
 विद्येभैरविवेत
 चतुर्विद्येभैरविवेत
 विद्येभैरविवेत
 विद्येभैरविवेत
 विद्येभैरविवेत
 विद्येभैरविवेत

राजनीतिया असु लोगों की विद्या
 अपरेमिति का निष्ठा व्याप्ति विद्या
 उम्मीद विद्या अपरेमिति
 चिन्हों विद्या अपरेमिति
 एवं विद्या अपरेमिति

Rajawade Sanskrit Manohar Yashodhan
 "Sankalpa Samskruti"
 "Yashodhan
 Dhan
 Chaitanya
 Bhakti"



मूळ प्रत पाहण्यासाठी संपर्क

इतिहासाचार्य वि.का. राजवाडे संशोधन मंडळ, धुळे
राजवाडे पथ, गल्ली नं. १, धुळे-४२४००९ (महाराष्ट्र)
दूरध्वनी क्रमांक (०२५६२) २३३८४८
Email ID : rajwademandaldhule@gmail.com